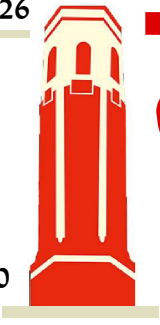


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 268
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राहुल Vs सरकार!

◆ उत्तराखंड में निवेश व इन्वेस्टर समिट के नतीजों को लेकर सियासी बहस तेज



कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में निवेश और इन्वेस्टर समिट के नतीजों को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से निवेश के दावों पर सवाल खड़े किए जाने के बाद प्रदेश सरकार ने भी जवाबी मोर्चा खोल दिया है। सचिव विनय पांडे ने निवेश की अगली खेप को जमीन पर उतारने की तैयारी का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में करीब 24 हजार करोड़ रुपये के निवेश की ग्रांटींग की तैयारी चल रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने उत्तराखंड में निवेश के दावों और उनकी वास्तविक उपलब्धियों को लेकर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। एक ओर कांग्रेस सरकार के निवेश संबंधी दावों की हकीकत जानना चाहती है, वहीं दूसरी ओर सरकार का पक्ष है कि निवेश को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है।

इन्वेस्टर समिट के जरिए उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश और रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा गया था। ऐसे में राहुल गांधी के सवालों ने सरकार के सामने यह स्पष्ट करने की चुनौती खड़ी की है कि निवेश के प्रस्तावों में से कितने वास्तव में धरातल पर उतर चुके हैं और उनसे राज्य को कितना आर्थिक लाभ मिला है।

सचिव विनय पांडे की ओर से 24 हजार करोड़ रुपये के अगले चरण की ग्रांटींग की तैयारी का उल्लेख सरकार के लिए अपने निवेश एजेंडे को मजबूती से प्रस्तुत करने का अवसर है। हालांकि, राजनीतिक और आर्थिक बहस में असली कसौटी केवल प्रस्तावों या भविष्य की तैयारियों का आंकड़ा नहीं, बल्कि जमीन पर शुरू हुई परियोजनाएं, वास्तविक पूंजी निवेश और उनसे पैदा होने वाले रोजगार हैं। आटा चक्की,

इन्वेस्टर समिट को लेकर सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार के आरोप में केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में तीन साल पहले राज्य में इन्वेस्टमेंट और उत्तराखंड में कैपिटल इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के बारे में सोशल मीडिया पर गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

राज्य के इंडस्ट्रीज डायरेक्टरेट ने राजपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डायरेक्टरेट ऑफ इंडस्ट्रीज, राजपुर के एडिशनल डायरेक्टर (इंडस्ट्रीज) मृत्युंजय

सिंह ने सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस को एक लिखित शिकायत दी, जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करने और रोजगार पैदा करने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था।

शिकायत के अनुसार, कामरान और अन्य कथित तौर पर समिट और राज्य में इन्वेस्टमेंट के बारे में एक्स और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार गलत, गुमराह करने वाला और बेबुनियाद कमेंट फैला रहे हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस तरह की गलत जानकारी इन्वेस्टर्स के बीच कन्फ्यूजन

और अविश्वास पैदा कर सकती है, जिससे उत्तराखंड में इन्वेस्टमेंट के माहौल पर बुरा असर पड़ सकता है।

राज्य के इंडस्ट्रियल हितों की रक्षा करने और इन्वेस्टर्स का भरोसा बनाए रखने के लिए, डायरेक्टरेट ने मामले की साइबर और टेक्निकल जांच की मांग की है। इसने कथित रूप से गुमराह करने वाले पोस्ट शेर करने में शामिल सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सही कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया है। जांच नेहरू कॉलोनी पुलिस स्टेशन के इंसपेक्टर देवेन्द्र चौहान को ट्रांसफर कर दी गई है।

मोबाइल दुकान और अन्य छोटे व्यवसायों को लेकर उठे सवालों पर विनय पांडे की प्रतिक्रिया ने बहस को एक नया आयाम दे

◆ राहुल गांधी के सवालों ने सरकार के सामने यह स्पष्ट करने की चुनौती खड़ी
◆ सरकार का पक्ष है कि निवेश को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही

दिया है। सवाल यह है कि क्या छोटे कारोबार को निवेश की उपलब्धियों में गिनने के तरीके पर विवाद है या फिर निवेश के दावों की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठ रहे हैं।

छोटे व्यवसाय भी स्थानीय अर्थव्यवस्था और स्वरोजगार के लिहाज

से अहम हैं, लेकिन बड़े निवेश सम्मेलन की सफलता का आकलन करते समय बड़े औद्योगिक निवेश, उत्पादन क्षमता, रोजगार सृजन और परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति का अलग-अलग हिसाब सामने रखना जरूरी है। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले निवेश का मुद्दा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। भाजपा के लिए इन्वेस्टर समिट और निवेश की प्रगति विकास के दावों को मजबूत करने का माध्यम है, जबकि कांग्रेस को इन दावों की पड़ताल कर सरकार को घेरने का अवसर मिल रहा है। इस बहस का निर्णायक जवाब राजनीतिक

आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि सार्वजनिक आंकड़ों से मिलेगा। सरकार यदि 24 हजार करोड़ रुपये के निवेश की अगली ग्रांटींग की तैयारी कर रही है तो परियोजनाओं की सूची, निवेश की स्थिति, समयसीमा और संभावित रोजगार के आंकड़े सामने आने से दावों की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

फिलहाल, राहुल गांधी के सवालों और सचिव विनय पांडे के जवाब ने निवेश को लेकर सियासी मुकाबला तेज कर दिया है। अब निगाह इस पर रहेगी कि निवेश की तैयारी का दावा कितनी जल्दी धरातल पर दिखाई देता है।

नौटियाल की कांग्रेस में एंट्री

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। भाजपा के पूर्व नेता और बॉलीवुड गायक जुबिन नौटियाल के पिता रामशरण नौटियाल ने आज कांग्रेस का दामन थाम लिया है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कुछ दिन पहले ही उन्होंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया था। रामशरण नौटियाल की कांग्रेस में एंट्री को उत्तराखंड की आगामी विधानसभा चुनावी राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके पार्टी में शामिल होने के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।



रामशरण नौटियाल को कांग्रेस की सदस्यता उत्तराखंड की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

यशपाल आर्य की मौजूदगी में दिलाई गई। कांग्रेस नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके जुड़ने से संगठन को मजबूती

मिलेगी। रामशरण नौटियाल के कांग्रेस में शामिल होने पर उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि उनके पुराने साथी को भाजपा में घुटन महसूस हो रही थी। उन्होंने भाजपा के माहौल और कामकाज को लेकर उनकी नाराजगी का जिक्र करते हुए कांग्रेस में उनका स्वागत किया। सैलजा ने उम्मीद जताई कि रामशरण नौटियाल के पार्टी से जुड़ने से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। उनके इस बयान को भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए नौटियाल के राजनीतिक फैसले के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भी रामशरण नौटियाल का पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि

उनके कांग्रेस में शामिल होने से संगठन को नई ताकत मिलेगी।

बता दें कि रामशरण नौटियाल वर्ष 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चकराता विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरे थे। इस सीट पर उनका मुकाबला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह से हुआ था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। चकराता विधानसभा सीट देहरादून जिले में स्थित है और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में रामशरण नौटियाल के कांग्रेस में शामिल होने के बाद उनकी आगामी राजनीतिक भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज होना स्वाभाविक है।

दून वैली मेल

संपादकीय

ट्रंप की टैरिफबाजी

100 प्रतिशत टैरिफ की तलवार हटना भारत की जीत नहीं, एक बड़े आर्थिक संकट का फिलहाल टलना है। ट्रंप की धमकी और फिर राहत देने की राजनीति बताती है कि अमेरिका व्यापार को साझेदारी नहीं, दबाव बनाने के हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। भारत को इस खेल में राहत का जश्न मनाने के बजाय अपनी आर्थिक ताकत का हिसाब देना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति का सबसे खतरनाक पहलू यही है कि वह धमकी को बातचीत की पहली शर्त और दबाव को कूटनीति का सबसे प्रभावी औजार मानते हैं। पहले 100 प्रतिशत टैरिफ का डर दिखाना और फिर उस खतरे के टलने को राहत की तरह पेश करना उसी रणनीति का हिस्सा है। सवाल यह नहीं कि ट्रंप ने फिलहाल कितना शुल्क लगाने से परहेज किया, सवाल यह है कि दुनिया के व्यापार को अनिश्चितता के इस बंधक खेल से कब मुक्ति मिलेगी? अंतरराष्ट्रीय व्यापार कोई जुआ नहीं है, जिसमें एक खिलाड़ी हर दांव पर नियम बदल दे और बाकी देश नुकसान से बचने की जुगत लगाते रहें। उद्योगपति कारखाने लगाने, निर्यातक बाजार तलाशने और सरकारें रोजगार पैदा करने के लिए वर्षों की योजना बनाती हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति की एक घोषणा से शुल्क का गणित बदलने लगे, तो कारोबारी भरोसा कमजोर होता है। निवेश ठिठकता है, उत्पादन की लागत बढ़ने का खतरा पैदा होता है और बाजारों में अस्थिरता फैलती है। यह केवल व्यापार का संकट नहीं, वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का संकट है। भारत के लिए इस खतरे को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। अमेरिकी बाजार भारतीय निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और दूसरे क्षेत्रों के कारोबारियों के सामने भारी शुल्क की आशंका वास्तविक चुनौती बन सकती है। इसका असर सिर्फ बड़ी कंपनियों के मुनाफे पर नहीं पड़ेगा। छोटे निर्यातकों, श्रमिकों और रोजगार की संभावनाओं पर भी दबाव आ सकता है। ऐसे में टैरिफ का खतरा टलने से राहत मिलना स्वाभाविक है, लेकिन राहत और सफलता के बीच का अंतर समझना भी उतना ही जरूरी है। यही वह बिंदु है, जहां भारत की व्यापार नीति की असली परीक्षा होती है। क्या हम हर बार अमेरिकी चेतावनी के बाद राहत मिलने का इंतजार करेंगे, या अपनी ऐसी आर्थिक क्षमता विकसित करेंगे कि किसी एक बाजार की नाराजगी हमारी विकास यात्रा को बंध क न बना सके? यदि भारतीय निर्यात की संभावनाएं किसी एक बड़े बाजार पर अत्यधिक निर्भर रहेंगी, तो दबाव की राजनीति के लिए रास्ता खुला रहेगा। सरकार को अमेरिका के साथ बातचीत में अपने हितों पर दृढ़ रहना होगा। समझौता जरूरी है, लेकिन समझौते के नाम पर एकतरफा दबाव स्वीकार करना नहीं। बाजार तक पहुंच, शुल्क की शर्तें, भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता और रोजगार के हित किसी भी व्यापार समझौते की कसौटी होने चाहिए। केवल इस आधार पर किसी समझौते को सफल नहीं कहा जा सकता कि तत्काल कोई बड़ी धमकी टल गई। ट्रंप को भी समझना होगा कि टैरिफ की मार हमेशा दूसरे देश पर ही नहीं पड़ती। आयात महंगा होने से अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ पड़ सकता है। व्यापारिक साझेदारों को लगातार डराने की नीति उन्हें वैकल्पिक बाजार खोजने और नई आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए प्रेरित कर सकती है। जिस अमेरिकी बाजार की ताकत के दम पर ट्रंप दबाव बनाना चाहते हैं, उसी बाजार पर निर्भरता घटाने के प्रयास भी उनकी नीतियों का परिणाम बन सकते हैं। भारत के पास भी विकल्पों की कमी नहीं होनी चाहिए। यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अन्य उभरते बाजारों में निर्यात के नए अवसर तलाशने होंगे। घरेलू विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाना होगा, छोटे निर्यातकों को नीतिगत सहारा देना होगा और व्यापारिक जोखिमों के मुकाबले अर्थव्यवस्था को अधिक लचीला बनाना होगा। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी बनाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी की शर्तों पर कारोबार करने की क्षमता हासिल करना है। इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सबक यही है कि किसी दूसरे देश की राजनीतिक मर्जी पर टिकी आर्थिक राहत कभी स्थायी सुरक्षा नहीं दे सकती। आज 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी टली है, कल कोई दूसरी शर्त सामने आ सकती है। यदि हर बार भारतीय कारोबार को किसी नई घोषणा के हिसाब से अपनी रणनीति बदलनी पड़े, तो इसे स्थिर व्यापारिक संबंध नहीं कहा जा सकता। टैरिफ का तूफान फिलहाल थमा है, लेकिन ट्रंप की दबाव की राजनीति खत्म नहीं हुई। भारत के लिए असली चुनौती इस बार बच निकलने की नहीं, अगली बार दबाव में आने की नौबत ही कम करने की है। राहत का जश्न क्षणिक हो सकता है। आर्थिक ताकत का निर्माण ही स्थायी जवाब है।

नये एसी की आपूर्ति के नाम पर ठगे 30 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। नये एसी की आपूर्ति के नाम पर तीस लाख रुपये की ठगी के मामले में पति पत्नी सहित तीन पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनीमाई रोड निवासी ईमरान खान ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान श्रीनगर पौड़ी गढ़वाल निवासी मोहित मेहंदीरत्ता के साथ हुई। मोहित व उसकी पत्नी मंजू व हर्षित कुमार ने उसको नये एसी की आपूर्ति की बात कहते हुए उससे तीस लाख रुपये लिये थे। लेकिन न तो उसको एसी की आपूर्ति की और न ही उसके रुपये वापस किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंत्री रेखा आर्या से जुड़े एससी-एसटी एक्ट मामले में नया मोड़ अग्रिम जमानत खारिज होने से बड़ी गिरधारी साहू की मुश्किलें

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या से जुड़े एससी-एसटी एक्ट प्रकरण ने अब कानूनी के साथ राजनीतिक मोड़ भी ले लिया है। मंत्री के पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू गिरधारी की अग्रिम जमानत याचिका विशेष अदालत से खारिज होने के बाद मामला फिर चर्चा में है। अदालत ने प्रथम दृष्टया एससी-एसटी अधिनियम के तहत अपराध के तत्व पाए और यह स्पष्ट किया कि कथित घटना घर के भीतर होने भर से कानून के प्रावधान स्वतः लागू होने से बाहर नहीं हो जाते। यह प्रकरण इसलिए भी अहम है कि शिकायतकर्ता स्वयं प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में सवाल केवल एक पारिवारिक विवाद का नहीं, बल्कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के कथित उल्लंघन, जांच की निष्पक्षता और प्रभावशाली लोगों से जुड़े मामलों में कानून के समान अनुपालन का भी है।

मंत्री रेखा आर्या की शिकायत के अनुसार, उनके पति ने उनके प्रति जातिसूचक और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। अभियोजन पक्ष ने अदालत में दलील दी कि कथित घटना के समय घर में कर्मचारी भी मौजूद थे। बचाव पक्ष ने इसके विपरीत इसे पति-पत्नी के बीच घरेलू और आर्थिक विवाद बताते हुए आरोपों को अस्पष्ट तथा निराधार बताया। विशेष अदालत ने उपलब्ध अभिलेखों और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने

के बाद अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत के समक्ष यह भी सवाल था कि घटना के समय वहां मौजूद कर्मचारियों की स्थिति क्या थी और क्या कथित अपमान सार्वजनिक दृष्टि वाले स्थान से संबंधित कानूनी कसौटी पर खरा उतरता है। अदालत ने इन पहलुओं को जांच और साक्ष्य से जुड़ा विषय माना।

◆अदालत की टिप्पणियों ने जांच के अहम सवाल किए उजागर ◆अब बयानों, दस्तावेजों और कथित आडियो की फारेसिक जांच

यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना जरूरी है कि अग्रिम जमानत याचिका खारिज होना आरोपों का अंतिम प्रमाण या दोषसिद्धि नहीं है। मामले की अंतिम स्थिति जांच, साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया से ही तय होगी। इस मामले की पड़ताल में तीन बिंदु विशेष महत्व रखते हैं। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए मौके पर मौजूद कर्मचारियों के बयान और अन्य साक्ष्य कितने निर्णायक होते हैं? क्या कथित घटना, स्थान और वहां मौजूद लोगों से जुड़े तथ्य एससी-एसटी अधिनियम की कानूनी शर्तों को पूरा करते हैं? क्या बयान, दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य एक-दूसरे की पुष्टि करते हैं?

इन सवालों का जवाब केवल आरोपों या प्रत्यारोपों से नहीं मिलेगा। इसके लिए जांच एजेंसी को घटनाक्रम की कड़ियों का साक्ष्य के आधार पर मिलान करना

होगा।

प्रकरण के व्यापक विवाद के बीच पुलिस ने रेखा आर्या की शिकायतों की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, एसआईटी ने मंत्री के बयान दर्ज किए हैं और संबंधित दस्तावेज जुटाए हैं। मामले से जुड़े एक कथित ऑडियो को भी फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। आडियो की प्रामाणिकता और उसमें मौजूद आवाज की पहचान जांच के महत्वपूर्ण पहलू हैं। जब तक फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने नहीं आती, तब तक रिकार्डिंग की सामग्री को प्रमाणित तथ्य मानना उचित नहीं होगा। मंत्री से जुड़े इस प्रकरण में राजनीतिक संवेदनशीलता स्वाभाविक है। लेकिन असली कसौटी यह होगी कि जांच किसी पद, राजनीतिक संबंध या पारिवारिक हैसियत से प्रभावित हुए बिना आगे बढ़ती है या नहीं।

एक ओर शिकायत में गंभीर आरोप हैं, दूसरी ओर गिरधारी लाल साहू ने आरोपों को खारिज किया है। ऐसे मामलों में किसी एक पक्ष के दावे को अंतिम सत्य मानने के बजाय उपलब्ध साक्ष्यों की स्वतंत्र जांच आवश्यक है। इस प्रकरण में सरकार और पुलिस की जवाबदेही भी इसलिए महत्वपूर्ण है कि एससी-एसटी अधिनियम का उद्देश्य जाति आधारित अत्याचार से प्रभावित लोगों को कानूनी संरक्षण देना है। कानून की विश्वसनीयता तभी कायम रहती है, जब शिकायत की गंभीरता से जांच हो और निष्कर्ष साक्ष्यों के आधार पर निकाला जाए।

चुनावी जंग से पहले कांग्रेस ने उतारी ‘फौज’

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2०27 के विधानसभा चुनाव का मुकाबला दिलचस्प होने लगा है। भाजपा की ओर से सभी 7० विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद अब कांग्रेस ने भी संगठनात्मक मोर्चे पर अपनी ताकत झोंक दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने वरिष्ठ नेताओं को जिला, महानगर और विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारियां सौंपकर चुनावी तैयारी तेज करने का संदेश दिया है। पार्टी ने सभी 7० विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त किए हैं। इसके साथ ही 27 संगठनात्मक क्षेत्रों में भी जिम्मेदारियां बांटी गई हैं।

कांग्रेस की इस कवायद को केवल संगठनात्मक नियुक्तियों तक सीमित नहीं माना जा रहा। पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा की मजबूत चुनावी मशीनरी का मुकाबला करने के साथ अपने भीतर की गुटबाजी पर अंकुश लगाने की भी है। ऐसे में इन नियुक्तियों के जरिए प्रदेश नेतृत्व ने नेताओं को जिम्मेदारी के दायरे में लाने और चुनाव से पहले संगठन को सक्रिय करने की कोशिश की है। प्रदेश कांग्रेस ने आठ उपाध्यक्षों और 19 महामंत्रियों को अलग-अलग संगठनात्मक क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा पार्टी के विभागों और प्रकोष्ठों में भी पदाधिकारियों को दायित्व दिए गए हैं। नियुक्त प्रभारियों से नियमित क्षेत्रीय प्रवास, संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और

कार्यकर्ताओं से संवाद करने की अपेक्षा की गई है।

कांग्रेस के सामने अब असली परीक्षा इन नियुक्तियों को जमीन पर उतारने की होगी। चुनावी राजनीति में प्रभारी नियुक्त करना पहला कदम है, लेकिन मतदाताओं तक पहुंच बनाना, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और स्थानीय मुद्दों पर आंदोलन खड़ा करना कहीं अधिक

◆प्रदेश की 7० विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी तैनात, 27 संगठनात्मक क्षेत्रों की जिम्मेदारी भी सौंपी, संगठन को चुनावी मोड़ में लाने की कवायद

चुनौतीपूर्ण काम है। कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और किसानों व युवाओं की समस्याओं को प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाने की रणनीति बनाई है। पार्टी इन विषयों पर जनसंपर्क अभियान, धरना-प्रदर्शन और जन आंदोलनों के माध्यम से जनता के बीच अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या कांग्रेस इन मुद्दों को चुनावी अभियान की एकजुट आवाज बना पाएगी? प्रदेश में बेरोजगारी, पलायन और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर असंतोष विपक्ष के लिए अवसर पैदा कर सकता है। इसके बावजूद केवल सरकार को घेरना पर्याप्त नहीं होगा। कांग्रेस को यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर वह इन समस्याओं का समाधान किस तरह करेगी।

प्रदेश नेतृत्व के लिए यह सुनिश्चित करना आसान नहीं होगा कि नियुक्त प्रभारी केवल पद की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि संबंधित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय भी दिखाई दें। यदि वरिष्ठ नेता अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने में सफल होते हैं तो इसका लाभ चुनाव के समय मिल सकता है। इसके विपरीत, जिम्मेदारियों के बावजूद आपसी खींचतान जारी रही तो नियुक्तियों का अपेक्षित परिणाम मिलना मुश्किल होगा। वर्ष 2०22 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 7० में से 47 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 19 सीटें मिली थीं। अब कांग्रेस की कोशिश सत्ता विरोधी माहौल को अपने पक्ष में बदलने और भाजपा को कड़ी चुनौती देने की है।

गणेश गोदियाल के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रभावी राजनीतिक अभियान खड़ा करना और दूसरी ओर कांग्रेस के संगठन को चुनाव लड़ने लायक मजबूत बनाना। नियुक्तियों से कांग्रेस ने चुनावी तैयारी का संकेत दे दिया है, लेकिन असली मुकाबला अब मैदान में होगा। प्रभारी कितनी बार अपने क्षेत्रों में पहुंचते हैं, कार्यकर्ताओं को कितना सक्रिय करते हैं और जनता के मुद्दों को कितना प्रभावी ढंग से उठाते हैं, यही तय करेगा कि कांग्रेस की यह नई चुनावी फौज भाजपा के सामने कितनी बड़ी चुनौती बन पाती है।

सीएम धामी, स्वास्थ्य मंत्री और विधायक को भेजा ज्ञापन

नई टिहरी (आरएनएस)। इणियां में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर सारज्यूला क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल और टिहरी विधायक कशोर उपाध्याय को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय के क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने के लिए मेडिकल कॉलेज की स्थापना जरूरी है। वहीं गणेश चौक में कॉलेज निर्माण को धरना और क्रमिक अनशन भी जारी रहा। बागी की जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत के नेतृत्व में पट्टी सारज्यूला क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने डीएम के माध्यम से सीएम धामी को भेजे ज्ञापन में कहा कि इणियां में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त भूमि है।

जिला अस्पताल और मुख्यालय से इणियां की दूरी मात्र 8 किलोमीटर है। पूर्व में भूमि का संबंधित विभाग ने परीक्षण किया जा चुका है। टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों के लोगों की स्वास्थ्य सुविधा को देखते हुए इणियां में मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू करवाया जाए। उन्होंने सीएम से इणियां में भूमि पूजन कर शीघ्र मेडिकल कॉलेज निर्माण का कार्य शुरू करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में बीडीसी सदस्य सुमित्रा पुंडीर, देवेंद्र चौहान, ग्राम प्रधान बुडोगी भूपेंद्र चौहान, कविता नेगी, प्रवेश भट्ट, वीरचंद तोपवाल आदि मौजूद रहे। वहीं मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर बौराड़ी में 76 वें दिन धरना और 46 वें दिन क्रमिक अनशन जारी रहा। लक्ष्मी प्रसाद बडोनी और राजेंद्र प्रसाद पैन्थूली क्रमिक अनशन पर बैठे। इस मौके पर जीतराम भट्ट, कमल सिंह महर, चंदन सिंह रावत, किशोरी लाल, शिवराज सजवाण, संदीप रावत, विरेंद्र रावत मौजूद रहे।

23 अक्तूबर से आठ नवंबर तक होगी ईवीएम की जांच

नई टिहरी (आरएनएस)। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2०27 की तैयारियों के तहत जिले में उपलब्ध ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) कराने को लेकर डीएम व जिला निर्वाचन अधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। डीएम ने बताया कि जिले में उपलब्ध सभी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच 23 अक्तूबर से आठ नवंबर 2०26 तक ईवीएम वेयरहाउस में की जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के इंजीनियर मशीनों की तकनीकी जांच करेंगे और यह कार्य प्रतिदिन चलेगा। सभी बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू) और वीवीपैट मशीनों की शत-प्रतिशत जांच की जाएगी। बैठक में मौजूद प्रतिनिधियों ने कहा कि एफएलसी कक्ष में पूर्व में पंजीकृत और पहचान पत्र वालों को ही प्रवेश दिया जाए। एफएलसी प्रक्रिया की निर्वाचन आयोग द्वारा वेबकास्टिंग भी की जाएगी। कक्ष में मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। वहां पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) और अग्निशमन वाहन की व्यवस्था करने को भी कहा गया है। ?जांच में सफल मशीनों पर ग्रीन स्टिकर लगाया जाएगा। बैठक में एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी, सीएमओ डॉ. रामप्रकाश और सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विजय तिवारी आदि मौजूद थे।

अपर निदेशक ने किए सवाल, छात्राओं ने बेबाकी से दिए जवाब

हल्द्वानी (आरएनएस)। अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा कुमाऊं मंडल गजेन्द्र सिंह सौन ने हल्द्वानी ब्लॉक के जीआईसी वनभूलपुरा और जीजीआईसी वनभूलपुरा का औचक निरीक्षण कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों से विषय आधारित सवाल-जवाब किए और उनके शैक्षणिक स्तर को परखा।

छात्राओं ने बेबाकी से सवालों के जवाब दिए। अपर निदेशक ने जीजीआईसी वनभूलपुरा में विद्यार्थियों के अधिगम स्तर की सराहना की। विद्यालय का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम 1०० प्रतिशत और इंटरमीडिएट का 97 प्रतिशत रहा है। वर्तमान में विद्यालय में एक हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। दो दिन पूर्व ही ज्योति पंत ने विद्यालय में प्रधानाचार्य का कार्यभार ग्रहण किया है। इस दौरान वरिष्ठ प्रवक्ता यास्मीन ने अपर निदेशक के समक्ष विद्यालय की समस्याएं रखीं। अपर निदेशक ने शिक्षकों की बैठक लेकर पठन-पाठन पर विशेष ध्यान देने और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए गंभीरता से प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी जगमोहन रौतेला सहित अन्य मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कांग्रेस की सियासत को बताया ‘गिद्ध राजनीति’

कार्यालय संवाददाता देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड पर उत्तराखंड में सियासी संग्राम लगातार तीखा होता जा रहा है। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों और कथित वीआईपी कोण को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने विपक्ष पर ऐसा हमला बोला है, जिसने राजनीतिक टकराव को और हवा दे दी है। उनियाल ने अंकिता के नाम पर कांग्रेस की सक्रियता को ‘गिद्ध राजनीति’ करार देते हुए राहुल गांधी पर राजनीतिक पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस नेतृत्व अपने करीबी पर लगे यौन शोषण के आरोपों को लेकर वैसी ही मुखरता क्यों नहीं दिखाता, जैसी अंकिता प्रकरण में दिखाई जा रही है।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस को अंकिता के परिवार के न्याय से ज्यादा इस संवेदनशील मामले से राजनीतिक लाभ हासिल करने की चिंता है। मंत्री के बयान का सीधा संदेश है कि महिला सम्मान की बात करने वाले कांग्रेस नेताओं को पहले अपने राजनीतिक आचरण और करीबियों से जुड़े गंभीर आरोपों पर भी जवाब देना चाहिए। सुबोध उनियाल ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व अपने करीबी यौन शोषण के आरोपी प्रोफेसर-सांसद के मामले में सवालों का सामना करने से बचता है, लेकिन अंकिता भंडारी के नाम पर राजनीतिक सक्रियता दिखाने में पीछे नहीं रहता। उन्होंने इस रवैये को राजनीतिक पाखंड बताते हुए कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाए।

उनियाल का हमला ऐसे समय आया है, जब अंकिता के माता-पिता के दिल्ली में प्रदर्शन और विपक्षी नेताओं के समर्थन

बच्चों के इलाज के लिए जाना पड़ रहा 100 किमी दूर

चमोली (आरएनएस)। जिला अस्पताल गोपेश्वर में पिछले चार माह से बाल रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त चल रहा है। इससे बच्चों के इलाज के लिए पहुंच रहे परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि बच्चों के उपचार के लिए उन्हें करीब 1०० किलोमीटर दूर बेस अस्पताल श्रीनगर जाना पड़ रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र रावत ने बताया कि अगस्त में इस समस्या के संबंध में गढ़वाल आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया था।

उस दौरान जल्द चिकित्सक की तैनाती का आश्वासन दिया गया लेकिन अब तक पद रिक्त है। नंदानगर निवासी प्रीति देवी, कुसुम और शकुंतला नेगी ने बताया कि वे अपने बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचीं लेकिन यहां उपचार नहीं मिल पाया। इसके बाद बेस अस्पताल श्रीनगर ले जाना पड़ा।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनुराग धनिक ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी ही बाल रोग विशेषज्ञ हैं। वह विभागीय कार्यों के साथ ही बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कर रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ की नियमित तैनाती के लिए निदेशालय को पत्र भेजा गया है।

के बाद मामला फिर राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में है। भाजपा इस आंदोलन को कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति के रूप में पेश कर रही है, जबकि कांग्रेस कथित वीआईपी कोण पर जवाबदेही की मांग कर रही है। राजनीतिक सवाल अपनी जगह हैं, लेकिन किसी भी व्यक्ति पर लगे आरोपों का निर्धारण प्रमाणों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। कांग्रेस की

◆ **भाजपा का राहुल गांधी पर राजनीतिक पाखंड का वार**
◆ **यौन शोषण के आरोपी करीबी को लेकर उठाए सवाल**
◆ **मूजफ्फरनगर कांड की याद दिलाकर कांग्रेस को घेरा**

मंशा पर भाजपा के आरोपों से अलग, अंकिता प्रकरण में उठ रहे सवालों का तथ्यपरक जवाब भी जरूरी है।

सुबोध उनियाल ने कांग्रेस पर हमला करते हुए मुजफ्फरनगर कांड का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड आंदोलन के दौरान देवभूमि की मातृशक्ति के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटनाओं के इतिहास के बावजूद कांग्रेस आज महिला सम्मान के सवाल पर राजनीतिक उपदेश दे रही है। भाजपा इस मुद्दे के जरिये कांग्रेस को उसके राजनीतिक अतीत के कठघरे में खड़ा करना चाहती है। पार्टी का तर्क है कि महिला सम्मान पर राजनीति करने वाले दलों को अपने पुराने रिकार्ड पर भी जवाब देना चाहिए। इस बयान से अंकिता प्रकरण पर जारी लड़ाई अब वर्तमान सरकार की जवाबदेही से आगे बढ़कर राजनीतिक दलों के अतीत और वर्तमान के आचरण की बहस में तब्दील होती दिखाई दे रही है।

विजयदशमी को तय होगी बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की तिथि

चमोली (आरएनएस)। बदरीनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने की तिथि विजयदशमी 2० अक्तूबर को तय होगी। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि भगवान बदरीविशाल के भोग के बाद मंदिर परिसर में धार्मिक समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें पंचांग गणना के बाद कपाट बंद होने की तिथि घोषित होगी। इससे पहले नवरात्रि और उर्वशी माता की पूजा का समापन हवन-यज्ञ के साथ होगा। इसी दिन कपाट बंद होने से पूर्व होने वाली पंच पूजाओं का कार्यक्रम भी तय किया जाएगा। भगवान उद्धव और कुबेर की डोलियों के पांडुकेश्वर तथा गरुड़ भगवान व आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी के ज्योतिर्मठ प्रस्थान की तिथि भी निर्धारित होगी। इस अवसर पर बीकेटीसी पदाधिकारी, अधिकारी, तीर्थ पुरोहित और श्रद्धालु मौजूद रहेंगे।

रात्रि चौपाल में पुलिस ने नुक्कड़ नाटक से साइबर ठगी के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा (आरएनएस)। एसएसपी चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर सोमेश्वर पुलिस ने गुरुवार रात्रि ग्राम मणि में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। सीओ अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन जोशी के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। होमगार्ड उषा पांडे और कांस्टेबल दीपक नाथ गोस्वामी ने बताया कि साइबर ठग पुलिस, सीबीआई, कस्टम या अन्य

अंकिता भंडारी हत्याकांड में तीन आरोपियों को अदालत आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है। इसके बावजूद कथित वीआईपी कोण को लेकर विवाद खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस इसी मुद्दे पर सरकार को घेर रही है, जबकि भाजपा विपक्ष पर दिवंगत बेटी के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगा रही है। यही वह मोर्चा है, जहां दोनों पक्षों के दावों की कसौटी तथ्यों से तय होगी। दोषियों को सजा मिलना न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण परिणाम है, लेकिन कथित वीआईपी कोण पर उठ रहे सवालों का जवाब केवल राजनीतिक बयानबाजी से नहीं दिया जा सकता। आरोपों की पुष्टि या खंडन जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होना चाहिए।

विधानसभा चुनाव से पहले अंकिता भंडारी हत्याकांड भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक प्रतिष्ठा का मुद्दा बनता जा रहा है। कांग्रेस सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रही है, तो भाजपा कांग्रेस के दोहरे रवैये और कथित राजनीतिक अवसरवाद को निशाना बना रही है। सुबोध उनियाल के बयान ने इस टकराव को और आक्रामक बना दिया है। अब भाजपा का हमला केवल कांग्रेस के आंदोलन पर नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक चरित्र और महिला सम्मान पर उसके दावों पर भी है। लेकिन इस सियासी शोर के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि अंकिता के नाम पर आरोपों की जंग कब खत्म होगी और परिवार को उठ रहे सवालों पर स्पष्ट जवाब कब मिलेगा? देवभूमि की जनता को राजनीतिक विशेषणों से ज्यादा निष्पक्षता, पारदर्शिता और न्याय से जुड़े ठोस तथ्यों की दरकार है।

जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर फोन अथवा वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी का डर दिखाते हैं और पैसे ऐंठने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पुलिस या जांच एजेंसी वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। ऐसे कॉल से घबराने, गोपनीय जानकारी साझा करने या पैसे ट्रांसफर करने से बचने की अपील की गई।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों, यातायात नियमों, नए अपराधिक कानूनों तथा महिला और बाल अपराधों के प्रति भी जागरूक किया। साथ ही गौरा शक्ति ऐप और विभिन्न हेलपलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

क्या स्क्रीन के बहुत करीब बैठने से आंखें हो जाती हैं खराब ? जानिए सही जानकारी

आंखों की देखभाल से जुड़े कई भ्रमों और बातों पर अक्सर चर्चा होती रहती है। इनमें से एक सामान्य बात यह है कि स्क्रीन के बहुत करीब बैठने से आंखें खराब हो जाती हैं। काफी लोग असमंजस में रहते हैं कि यह बात सच है या झूठ। इस लेख में हम इसी बात की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में स्क्रीन के करीब बैठने से आंखों पर असर पड़ता है या नहीं।

स्क्रीन के करीब बैठने का आखों पर असर : जब हम बहुत करीब बैठकर किसी स्क्रीन आदि को देखते हैं तो हमारी आंखों की मांसपेशियों पर ज्यादा जोर पड़ता है। यह जोर आंखों को थका सकता है और इसकी वजह से काफी परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसा करने से आपकी आंखें वास्तव में काफी कमजोर हो सकती हैं। अगर आपको लगातार ऐसा महसूस हो रहा है कि आपकी नजर कमजोर हो रही है या आपको धुंधला दिख रहा है तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

क्या इससे कमजोर होती है आंखों की रोशनी? : कई लोगों का मानना है कि स्क्रीन के करीब बैठने से आंखों की रोशनी कम हो जाती है। यह बात पूरी तरह से सच है, क्योंकि वक्त के साथ स्क्रीन टाइम का आखों की रोशनी पर खासा असर नजर आता है। अगर आप लंबे समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं तो आंखों में थकान या जलन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से आराम करना और आंखों को आराम देना जरूरी है, ताकि नजर सही रहे।

क्या बच्चों को स्क्रीन के करीब बैठकर पढ़ाई करनी चाहिए? : बच्चों को करीब बैठकर पढ़ाई करने से बचना चाहिए, क्योंकि उनकी आंखें पूरी तरह से विकसित नहीं होतीं। इसके अलावा बच्चों को सही तरीके से बैठने और पढ़ाई करने की आदत डालनी चाहिए, ताकि उनकी नजर सुरक्षित रहे। अगर बच्चे लगातार किताब के बहुत पास जा कर पढ़ाई करेंगे तो उनकी नजर कमजोर हो सकती है। इसलिए बच्चों को सही तरीके से बैठने और पढ़ाई करने की आदत डालनी चाहिए।

कैसे कम किया जा सकता है प्रभाव? : आजकल लोग बहुत ज्यादा समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं, चाहे वह कंप्यूटर हो या मोबाइल फोन। इससे आंखों में थकान या जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से आराम करना और आंखों को आराम देना जरूरी है। इसके अलावा स्क्रीन की चमक को कम करना और सही रोशनी में काम करना भी अहम है, ताकि आपकी नजर सुरक्षित रहे और कोई समस्या न हो।

नजर की जांच करवाना क्यों है जरूरी? : नजर जांच करवाना बहुत जरूरी है, ताकि किसी भी समस्या का समय पर पता चल सके। अगर आपको लगता है कि आपकी नजर कमजोर हो रही है या आपको धुंधला दिखता है तो डॉक्टर से संपर्क करें। इससे आप सही समय पर इलाज करा सकते हैं और अपनी नजर को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा नजर जांच करवाने से आप अपनी आंखों की सेहत का ध्यान रख सकते हैं और किसी भी समस्या से बच सकते हैं।

स्वस्थ दांतों के लिए आजमाएं ये आसान और प्रभावी तरीके

दांत हमारे चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ खाने को चबाने और पाचन में मदद करने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में दांतों का सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। इसके लिए रोजाना ब्रश करना, फ्लॉसिंग करना और समय-समय पर दांतों के डॉक्टर के पास जाना जरूरी है। इसके अलावा खाने-पीने की आदतों पर भी खास ध्यान देना चाहिए। आइए आज हम आपको दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

दांतों को रोजाना दो बार साफ करें : दांतों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना दो बार साफ करना जरूरी है। सुबह और रात को सोने से पहले दांतों को ब्रश करना चाहिए। इससे मुंह की सफाई होती है और कीटाणु पनपने का मौका नहीं मिलता। ब्रश करते समय हल्के हाथ से ब्रश को आगे-पीछे घुमाना चाहिए ताकि दांतों के हर कोने तक पेस्ट पहुंचे। इसके अलावा ब्रश करते समय मसूड़ों को भी हल्के हाथ से मसलना चाहिए ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके।

फ्लॉस से सफाई करें : फ्लॉस से सफाई दांतों के बीच की सफाई के लिए जरूरी है। ब्रश से हर जगह तक पहुंचना मुश्किल होता है, खासकर जब दांतों के बीच में खाना फंस जाता है तो फ्लॉस से उसे निकालना आसान होता है। इसके लिए फ्लॉस का इस्तेमाल करें और धीरे-धीरे दांतों के बीच में डालकर खींचें। इससे गंदगी और कीटाणु हटते हैं और दांतों की जड़ तक की सफाई होती है। नियमित फ्लॉस से सफाई से मसूड़ों का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

मीठी चीजों का सेवन कम करें : मीठी चीजें जैसे चॉकलेट, केक, बिस्किट आदि खाने से दांतों में कीड़ा लगने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि इनमें मौजूद शर्कर कीटाणुओं को बढ़ावा देती है। इसलिए इनका सेवन कम से कम करें या फिर इनका विकल्प किसी सेहतमंद स्नैक जैसे फल या मेवे आदि को चुनें। इसके अलावा मीठे पेय पदार्थों का सेवन भी कम करें और पानी या दूध पीने की आदत डालें ताकि आपके दांत स्वस्थ रहें।

धूम्रपान न करें : धूम्रपान न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि यह आपके दांतों के लिए भी बुरा है। धूम्रपान करने से दांत पीले हो जाते हैं और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ता है। इसलिए धूम्रपान से दूर रहें और अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इसे धीरे-धीरे छोड़ने का प्रयास करें। इसके अलावा तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल भी न करें क्योंकि ये भी आपके दांतों को नुकसान पहुंचाते हैं।

चार साल बाद भी अकिता के सवाल ‘जिंद’

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड की आग एक बार फिर उत्तराखंड में सुलग उठी है। बेटी को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रहे माता-पिता की आवाज अब दिल्ली के इंडिया गेट तक पहुंच गई है। प्रदर्शन के दौरान माता-पिता को हिरासत में लिए जाने और फिर रिहा किए जाने की घटना ने जनाक्रोश को और तेज कर दिया। मामला केवल उत्तराखंड की सड़कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में छा गया है। देश के प्रमुख समाचार माध्यमों से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की राजनीति और मानवाधिकारों से जुड़े घटनाक्रमों पर नजर रखने वाले मंचों तक इस प्रकरण की चर्चा हो रही है।

इस बार विवाद के केंद्र में कथित वीआईपी कोण और भाजपा के वरिष्ठ नेता दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने का मुद्दा है। अंकिता के माता-पिता की मांग है कि कथित वीआईपी कोण की जांच पूरी होने तक इस नियुक्ति पर रोक लगाई जाए। परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों को दुष्यंत कुमार गौतम नकार चुके हैं और उन्होंने मानहानि की कानूनी कार्रवाई भी की है। ऐसे में जांच के निष्कर्ष और आरोपों की सत्यता इस पूरे विवाद के निर्णायक पहलू हैं।

14 अक्टूबर को दिल्ली के इंडिया गेट पर अंकिता के माता-पिता के धरने को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने समर्थन दिया। इसके बाद देर रात चले विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने अंकिता के माता-पिता और कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया। उन्हें 15 अक्टूबर की सुबह रिहा कर दिया गया। इस घटनाक्रम ने मामले को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया। अंकिता के पिता ने मांग स्वीकार नहीं होने पर देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी दी।

उधर, देहरादून में भी विरोध की आवाज तेज हुई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, हरक सिंह रावत और प्रीतम सिंह समेत पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजभवन के बाहर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कथित वीआईपी की भूमिका पर स्थिति स्पष्ट करने और दुष्यंत गौतम की नियुक्ति के मामले में सरकार से जवाब मांगा। इस तरह दिल्ली से देहरादून तक एक ही सवाल राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है कि अंकिता के मामले में उठ रहे अनुत्तरित सवालों का स्पष्ट जवाब कब मिलेगा?

◆ दिल्ली से उठी मामले में आवाज ने फिर हिलाई उत्तराखंड की सियासत
◆ देश-विदेश तक गूंजा मामला, चुनाव से पहले भाजपा की बड़ी मुश्किलें
◆ इंडिया गेट पर माता-पिता का धरना, हिरासत व रिहाई से भड़का आक्रोश
◆ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पहुंचने से राष्ट्रीय राजनीति में भी उठला मुद्दा

सितंबर 2०22 में ऋषिकेश के निकट वनंतरा रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य और उसके दो सहयोगियों को अदालत ने दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके बावजूद कथित वीआईपी कोण को लेकर उठते सवालों ने प्रकरण को बार-बार राजनीतिक और सामाजिक विमर्श में वापस ला दिया है। अंकिता के परिवार और आंदोलन से जुड़े लोगों का कहना है कि उन्हें पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच और कथित वीआईपी कोण पर स्पष्टता चाहिए। दूसरी ओर, जांच से जुड़े एक पूर्व अधिकारी के हवाले से मीडिया में यह भी रिपोर्ट किया गया है कि पहले की जांच में कथित वीआईपी की भूमिका साबित करने वाला साक्ष्य नहीं मिला था। यही वह बिंदु है, जहां राजनीतिक दावों से अलग जांच के निष्कर्षों, उपलब्ध प्रमाणों और नए आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल जरूरी हो जाती है।

उत्तराखंड में 2०27 के विधानसभा

चुनाव से पहले यह प्रकरण भाजपा के लिए राजनीतिक चुनौती बनता जा रहा है। विपक्ष इसे महिला सुरक्षा, न्याय और सत्ता की जवाबदेही से जोड़कर उठा रहा है। परिवार की मांगों और आंदोलन के प्रति सरकार का रुख अब राजनीतिक बहस का विषय है। विपक्ष के लिए यह मुद्दा सरकार को घेरने का अवसर है, जबकि भाजपा के सामने आरोपों का तथ्यों के आधार पर जवाब देने और जांच को लेकर भरोसा कायम करने की चुनौती है।

हालांकि, किसी व्यक्ति का नाम आरोपों में आने से उसका दोष सिद्ध नहीं होता। लेकिन किसी संवेदनशील मामले में संदेह और सवाल लगातार बने रहें, तो उन्हें दूर करना शासन और जांच व्यवस्था की जिम्मेदारी है। सरकार के लिए चुनौती केवल विपक्ष के आरोपों का जवाब देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि जनता को जांच की स्थिति और कानूनी प्रक्रिया के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिले। अंकिता भंडारी का मामला एक परिवार के न्याय संघर्ष से आगे बढ़कर उत्तराखंड में महिला सुरक्षा, प्रभावशाली लोगों की जवाबदेही और जांच व्यवस्था पर भरोसे की कसौटी बन चुका है। परिवार का दिल्ली पहुंचना और राष्ट्रीय नेताओं का समर्थन इस बात का संकेत है कि मामला फिर व्यापक राजनीतिक विमर्श में लौट आया है।

अब निगाहें सरकार, जांच एजेंसियों और न्यायिक प्रक्रिया पर हैं। क्या कथित वीआईपी कोण को लेकर उठ रहे सवालों पर स्थिति और स्पष्ट होगी? क्या परिवार को जांच के निष्कर्षों से संतोषजनक जवाब मिलेगा? और क्या राजनीतिक दल इस मामले को आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाकर न्याय की मांग पर केंद्रित रखेंगे? इन सवालों के जवाब ही तय करेंगे कि अंकिता के नाम पर उठी यह नई लहर केवल कुछ दिनों की राजनीतिक हलचल बनकर रह जाती है या व्यवस्था को जवाबदेह बनाने की दिशा में कोई ठोस परिणाम सामने आता है।

शब्द सामर्थ्य -061

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न,

नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा

4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. छोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबादी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रिय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

चु	स्त	मु	सं	स्था	न
ग	म	र्दा	न	गी	त
ली	प	ना	त	न	
	ना	ना			ज
मा	ह	रा	सा	ज	न
न	स	ह	दे	व	म
व	म	व	न	ज	ल
ता	क	त	व	र	मी
	ल	ल	क	क	र

रवि तेजा की नई फिल्म तुलाभारम' को लेकर बड़ी उत्सुकता!

अभिनेता रवि तेजा और निर्देशक विवेक आत्रेय जल्द ही एक नई फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। रवि तेजा इन दिनों अपनी भक्ति-प्रधान व्यावसायिक मनोरंजक फिल्म इरुमुडी' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। शिव निर्वाण के निर्देशन में बनी इस फिल्म से शुरुआत में बहुत अधिक उम्मीदें नहीं लगाई जा रही थीं, लेकिन फिल्म ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। इसके बाद रवि तेजा की अगली फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

रवि तेजा और विवेक आत्रेय के साथ काम करने की खबर पहले ही सामने आ चुकी है। बताया जा रहा है कि विवेक आत्रेय फिलहाल फिल्म की कहानी के अनुरूप कलाकारों और तकनीकी दल को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इसी बीच खबर है कि फिल्म की औपचारिक शुरुआत दशहरा के शुभ अवसर पर पारंपरिक तरीके से की जाएगी।

फिल्म के संभावित नाम को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि निर्माताओं ने फिल्म का नाम दिलचस्प तरीके से तुलाभारम' रखने पर विचार किया है। हालांकि, फिल्म के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। इस परियोजना को लेकर सबसे अधिक उत्सुकता इस बात की है कि निर्देशक विवेक आत्रेय रवि तेजा के लिए किस तरह की कहानी लेकर आते हैं। विवेक आत्रेय अपनी अलग तरह की कहानी और प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में रवि तेजा के साथ उनकी जोड़ी को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह है। फिल्म का निर्माण ब्रिज प्रोडक्शंस के बैनर तले लक्ष्मण और श्रीनी कर रहे हैं। निर्माताओं ने इसे बड़े स्तर पर तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म को वर्ष 2027 की गर्मियों में सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की तैयारी है। फिलहाल फिल्म के कलाकारों और तकनीकी दल से जुड़ी अन्य जानकारीयां अंतिम रूप दिए जाने के चरण में हैं। दशहरा के अवसर पर फिल्म की औपचारिक शुरुआत के साथ इसके संबंध में अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण 40 भाषाओं में रिलीज होगी!

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म रामायण पार्ट 1 की चर्चा इन दिनों हर किसी की जबान पर है। फिल्म निर्माताओं ने 11 अक्टूबर को घोषणा की कि ये फिल्म 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वैसे तो ये फिल्म हिंदी में शूट की गई है, लेकिन इसे 40 भाषाओं में डब किया गया है। इनमें न केवल भारत के अलग-अलग स्थानों की भाषाएं शामिल हैं, बल्कि विदेशी भाषाएं भी शुमार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्माता नमित मल्होत्रा और रामायण की टीम इसे भारतीय फिल्मों के इतिहास की सबसे बड़ी रिलीज बनाना चाहते हैं।

एक सूत्र ने बताया, दुनियाभर के दर्शकों तक फिल्म को आसानी से पहुंचाने के लिए रामायण को 40 भाषाओं में डब किया गया है। इससे दुनियाभर के दर्शक बिना सबटाइटल्स पर निर्भर रहे, अपनी भाषा में फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। पहली बार किसी भारतीय फिल्म को इतने बड़े पैमाने पर डब किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, रामायण को जिन भाषाओं में डब किया गया है, उनकी पूरी लिस्ट कुछ हफ्तों में जारी की जाएगी। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग 20 अक्टूबर, 2026 यानी दशहरा से शुरू होने वाली है।

ऐसे में टीम अपनी एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है कि ये साल की सबसे बड़ी फिल्म बन सके। ये फिल्म 2 पार्ट में रिलीज की जाएगी, जिसका दूसरा पार्ट 2027 में आ सकता है।

वेंकटेश-अनिल रविपुडी की 5वीं फिल्म का फर्स्ट लुक जारी

हिट फिल्मों के निर्देशन के लिए पहचाने जाने वाले अनिल रविपुडी, अभिनेता विक्टी वेंकटेश और नंदमुरी कल्याण राम के साथ एक बहु-कलाकार फिल्म लेकर आ रहे हैं। वेंकी अनिल 5' और एनकेआरएआर 2' नाम से चर्चा में यह फिल्म तेजी से आगे बढ़ रही है। फिलहाल इसकी शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। फिल्म के निर्माताओं ने विक्टी वेंकटेश का पहला रूप-चित्र जारी किया है, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा है। जारी किए गए रूप-चित्र में वेंकटेश सेना के अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वह फिल्म में लेफ्टिनेंट कर्नल वेंकट रेड्डी का किरदार निभा रहे हैं। इस भूमिका में उनका अंदाज पहले से काफी अलग दिखाई दे रहा है। उनका किरदार बंधकों को छुड़ाने के लिए बातचीत करने और आतंकवाद-विरोधी अभियानों में विशेषज्ञ बताया जा रहा है। पोस्टर में वेंकटेश गले में स्कार्फ पहने एक कार के पास खड़े दिखाई दे रहे हैं। सेना की वर्दी में उनका व्यक्तित्व गंभीर और प्रभावशाली नजर आता है। उनके इस नए रूप को लेकर फिल्म के प्रशंसकों में उत्सुकता है। इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने नंदमुरी कल्याण राम का पहला रूप-चित्र जारी किया था, जिसमें वह पारंपरिक अंदाज में दिखाई दिए थे। फिल्म में कीर्ति सुरेश और कृति शेटी मुख्य महिला भूमिकाओं में नजर आएंगी। इसका निर्माण शाइन स्क्रीन्स के बैनर तले साहु गारापति कर रहे हैं। फिल्म को सुरेश प्रोडक्शंस, श्रीमती अर्चना और जी स्टूडियो ने प्रस्तुत किया है। अनिल रविपुडी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से वेंकटेश और कल्याण राम के साथ आने को लेकर दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

श्रेया सरन ने की अजय देवगन की तारीफ

दृश्यम फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म दृश्यम-द कन्क्लूजन को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया।

उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। श्रेया सरन ने कहा, अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं। श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।

अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अभिषेक पाठक ने दृश्यम फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।

श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर



भी बात की और कहा, मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूँ और जानती हूँ कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।

दृश्यम फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके।

दृश्यम = द कन्क्लूजन में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं।

दृश्यम-द कन्क्लूजन इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज हुई थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलैक्शन किया है।

विषकन्या बनेंगी प्रतिभा रांटा, राजकुमार राव होंगे जोड़ीदार



राजकुमार राव मुख्य किरदार में होंगे। फिल्म के शीर्षक का खुलासा भी हो गया है और यह एक विशाल जादुई काल्पनिक दुनिया पर आधारित होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म का शीर्षक विषकन्या होगा। इस हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए प्रतिभा को चुना गया है।

कहानी को गुप्त रखा जा रहा है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि निर्माताओं का मकसद हाल के हिंदी सिनेमा में देखे गए किसी भी पौराणिक ब्रह्मांड से अलग एक रहस्यमय ब्रह्मांड को फिल्म के जरिए प्रस्तुत करना है। यह फिल्म हॉरर की पारंपरिक शैलियों से हटकर एक अलौकिक फंतासी होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, विषकन्या नाम वाली फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है।

इसका निर्देशन सोनल जोशी करेंगी, जिन्होंने शिल्पा शेटी अभिनीत कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सुखी (2023) से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था।

धर्मा प्रोडक्शन के साथ प्रतिभा का यह दूसरा सहयोग होने जा रहा है। इससे पहले उन्होंने एक्ज्यूज्ड (2026) नाम की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में काम किया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा भी नजर आई थीं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई थी।

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन हॉरर और फैंटेसी जॉनर में लगातार अपनी पैठ जमा रही है। कार्तिक आर्यन के साथ नागजिला के बीच, प्रोडक्शन की अगली

फंतासी हॉरर को लेकर ताजा अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में लापता लेडीज से लोकप्रिय हुई अभिनेत्री प्रतिभा रांटा मुख्य नजर आएंगी। उनके साथ

जब किसी ने ना सुनी पीड़ा, तो ग्रामीणों ने खुद उठाया सड़क निर्माण का बीड़ा

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जखोली ब्लॉक की खरगोड़ ग्रामसभा के चौण्डा, पालीगाड़ और मुरचौण्डा के ग्रामीणों ने करीब दस साल से सड़क की मांग पूरी नहीं होने पर खुद ही सड़क काटने का काम शुरू कर दिया है। वहीं, यूकेडी ने भी ग्रामीणों की इस पहल को अपना समर्थन दिया है। करीब दो किलोमीटर सड़क की मांग को लेकर ग्रामीण लंबे समय से जनप्रतिनिधियों व नेताओं से गुहार लगा रहे थे।सड़क नहीं बनने से नाराज ग्रामीणों ने अब श्रमदान से सड़क तैयार करने की पहल की है। ग्राम प्रधान एवं जखोली प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अजय पुंडीर व यशोधर सेमवाल के नेतृत्व में ग्रामीण एकत्रित हुए हैं। कुदाल व फावड़ा लेकर महिलाएं और बुजुर्ग भी इस कार्य में जुटे हुए हैं। वहीं उन्हें उत्तराखंड क्रांति दल का भी समर्थन मिला है। यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री अर्जुन कंडारी, जिला संरक्षक सूरत सिंह झिंकवाण, जिला महामंत्री अजीत सिंह, जिला प्रचार मंत्री प्रदीप बिष्ट, ब्लॉक संगठन मंत्री मानवेंद्र रावत सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ सड़क काटने में सहयोग किया।अब तक ग्रामीणों द्वारा श्रमदान कर लगभग 5० मीटर सड़क काट दी गई है। यूकेडी नेता अर्जुन कंडारी ने कहा कि जिन गांवों तक अब तक सड़क नहीं पहुंची है, वहां के ग्रामीण पहल करें, यूकेडी उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि गांवों तक सड़क नहीं पहुंचना पहाड़ के विकास से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नेता जनता को लुभाने दिखा कर बस छल कर रही है।

मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा आइस स्केटिंग रिंग में कार्य

चमोली(आरएनएस)। औली आइस स्केटिंग रिंग में चल रहे समतलीकरण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं कराए जाने के आरोप लगे हैं। आइस स्केटिंग खेल से जुड़े लोगों का कहना है कि मानकों के विपरीत समतलीकरण कार्य में सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है। औली में वर्षों से आइस स्केटिंग रिंग का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। इस साल जनवरी में इसे लेकर आंदोलन हुआ था। इसके बाद रिंग के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए शासन ने बजट जारी किया। अब करीब 3० लाख रुपये की लागत से स्केटिंग रिंग के समतलीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग खिलाड़ी व आइस स्केटिंग से जुड़े विवेक पंवार का कहना है कि कार्यदायी संस्था स्केटिंग रिंग के समतलीकरण में सीमेंट का उपयोग कर रही है जबकि मानकों के अनुसार सीमेंट का प्रयोग नहीं होना था। यह सिर्फ धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता अतुल सती का कहना है कि दो दशक बाद भी आइस स्केटिंग का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। पूर्व में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने इसका उद्घाटन किया था, लेकिन कार्य आज भी अधूरा है। उधर गढ़वाल मंडल विकास निगम के एमडी संदीप तिवारी का कहना है कि विभाग की ओर से लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। यदि कार्य में कोई कमी होती है तो उसे पूरा किया जाएगा।

सू- दोकू क्र.061									
		3					7		
9				6		3		8	
	7		9		5		6		
						1		9	
3		8		7			5		
	1		3		9			7	
		2		8		7			
	8				2		4	3	
			1						
नियम		सू-दोकू क्र.60 का हल							
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है। 3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।		5	2	4	9	6	7	8	1
		3	6	7	4	1	8	2	9
		8	1	9	3	2	5	4	6
		6	3	5	1	9	4	7	2
		7	9	8	5	3	2	6	4
		2	4	1	7	8	6	5	3
		4	5	3	6	7	9	1	8
		9	8	6	2	5	1	3	7
		1	7	2	8	4	3	9	5

सीबीआरआई में निर्माण तकनीकों पर मंथन

रुड़की(आरएनएस)। सीबीआरआई में आयोजित इम्पैक्ट 2०26 कार्यशाला में सुरक्षित, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने प्रीकास्ट निर्माण, भूकंपीय सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन और संसाधनों के कुशल उपयोग पर विचार रखे।सीबीआरआई और अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने सतत निर्माण सामग्री तथा उन्नत तकनीकों में अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सीबीआरआई में इम्पैक्ट 2०26 कार्यशाला आयोजित की गई। संस्थान के रवींद्रनाथ टैगोर सभागार में हुई एक दिवसीय कार्यशाला में नवीन निर्माण सामग्री, प्रीकास्ट निर्माण प्रणालियों और उन्नत तकनीकों के माध्यम से सुरक्षित, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई है। कार्यशाला के

ज्ञान सृजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का शोधार्थियों को दिया सदेश

रुद्रपुर(आरएनएस)। एचएनबी राजकीय महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शोध एवं शोध-प्रस्ताव लेखन की वैज्ञानिक तकनीकें विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों को शोध की वैज्ञानिक प्रक्रिया, प्रभावी शोध-प्रस्ताव निर्माण तथा गुणवत्तापूर्ण अकादमिक लेखन की व्यावहारिक बारीकियों से परिचित कराना रहा। मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार कटियार ने शोध की अवधारणा एवं महत्त्व, उपयुक्त शोध विषय के चयन, शोध समस्या के निर्धारण, साहित्य समीक्षा तथा वैज्ञानिक शोध पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शोध केवल तथ्यों के संकलन तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसके लिए तार्किक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, व्यवस्थित कार्ययोजना और मौलिक विचारों का समन्वय आवश्यक है।कार्यशाला के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र विक्रम सिंह पड़ियार ने गुणवत्तापूर्ण शोध की विशेषताओं, शोधपत्र लेखन की वैज्ञानिक तकनीकों तथा प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं की इंडेक्सिंग के संबंध में जानकारी दी।

महिला किसानों को वैज्ञानिक खेती और पशुपालन की दी जानकारी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। कृषि विज्ञान केंद्र, काफलीगैर में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर नारी शक्ति से कृषि समृद्धि विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकांत और केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. एनके हेडाऊ के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुल 58 किसानों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 32 महिलाएं और 26 पुरुष शामिल रहे। मुख्य अतिथि पूर्व खरही मंडल अध्यक्ष हेमा देवी ने महिला किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कृषि, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में

मुख्य अतिथि आईआईटी दिल्ली के एमेरिटस प्रोफेसर प्रो. तुषार के. दत्ता ने प्रीकास्ट फ्रेम के भूकंपीय व्यवहार पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भूकंप के दौरान संरचनाओं की सुरक्षा, विभिन्न घटकों के मजबूत संयोजनों और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के महत्व पर जोर दिया।सीबीआरआई के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार ने स्वागत संबोधन में कहा कि निर्माण क्षेत्र में पर्यावरण-अनुकूल, आपदा-सहिष्णु और संसाधन-कुशल समाधानों की आवश्यकता बढ़ रही है।

कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण सीबीआरआई और अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर रहा। इसके तहत सतत निर्माण सामग्री और उन्नत तकनीकों के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, तकनीकी विकास, ज्ञान के आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण

को बढ़ावा दिया जाएगा।

तकनीकी सत्रों में प्रीकास्ट कंक्रीट, कम कार्बन उत्सर्जन वाले निर्माण, भवनों की भूकंपीय प्रतिक्रिया नियंत्रित करने, इस्पात संरचनाओं और प्रीकास्ट भवनों के व्यावहारिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। प्रीकास्ट निर्माण में प्रगति और अगली पीढ़ी की सतत निर्माण सामग्री पर पैनल चर्चाएं भी हुईं।

इनमें स्वचालन, जलवायु-अनुकूल निर्माण, संसाधनों के कुशल उपयोग और स्मार्ट आधारभूत संरचना की संभावनाओं पर मंथन किया गया। कार्यशाला में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने अनुसंधान को औद्योगिक उपयोग से जोड़ने पर जोर दिया। समापन सत्र जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मजहर आसिफ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

ढाई माह बाद भी पाबौ सीएचसी में अल्ट्रासाउंड सेवा बहाल नहीं

पौड़ी(आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पाबौ में ढाई माह बीतने के बाद भी अल्ट्रासाउंड जांच सेवा शुरू नहीं हो सकी है। रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती न होने से मरीजों को जांच के लिए जिला अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं, कई मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगे दाम पर जांच करानी पड़ रही है। इससे खासकर गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएचसी में पहले रोस्टर के अनुसार अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा उपलब्ध थी। एक रोस्टर में करीब 5० मरीजों की जांच की जाती थी। लेकिन 31 जुलाई को सीएमओ डॉ. शिवमोहन शुक्ला के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह सेवा प्रभावित है।अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने का सबसे अधिक असर दूरदराज के गांवों से आने वाले मरीजों पर पड़ रहा है। जांच के लिए उन्हें जिला मुख्यालय जाना पड़ रहा है। वहीं, गर्भवती महिलाओं को भी जरूरी जांच के लिए दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के बीच अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।सामाजिक कार्यकर्ता गणेश भट्ट, अर्जुन नेगी और दिलबर नेगी ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती कर अल्ट्रासाउंड जांच सेवा बहाल करने की मांग की है। सीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि अल्ट्रासाउंड जांच सेवा दोबारा शुरू करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति होने के बाद सीएचसी में अल्ट्रासाउंड जांच सेवा फिर से शुरू कर दी जाएगी।

चिरबिटिया में मेला एक नवंबर से

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। आगामी एक व दो नवंबर को वीरचंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के पर्वतीय कृषि महाविद्यालय चिरबिटिया में दो दिवसीय किसान मेला व सह प्रदर्शनी का आयोजन किया है। कुलपति डॉंडबीपी भट्ट ने बताया कि विश्वविद्यालय के चिरबिटिया परिसर में दो दिवसीय मेले में किसान वैज्ञानिक संवाद, उन्नत बीज एवं पौध, आधुनिक कृषि यंत्र, प्रगतिशील कृषक सम्मान व महिला मंगल दलों के कार्यक्रम होंगे। पूर्व प्रधान लुठियाग रूप सिंह ने बताया कि इस मेले से किसानों को खेती की नई तकनीकी से स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा।

महिला किसानों को वैज्ञानिक खेती और पशुपालन की दी जानकारी

उनके योगदान की सराहना की। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने महिला किसानों से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक उन्नत और लाभकारी बनाने का आह्वान किया।

मुख्य कृषि अधिकारी, बागेश्वर के प्रतिनिधि विकास बिष्ट ने महिला सशक्तीकरण के लिए संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. कमल कुमार पांडे ने फसलों में लगने वाले प्रमुख कीटों और रोगों की पहचान, रोकथाम तथा प्रबंधन के बारे में बताया।

वहीं डॉ. एनके सिंह ने पशुओं की प्रमुख बीमारियों, उनके लक्षणों, बचाव और कृमिनाशक दवाओं के उचित उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम में चम्पा देवी

निवासी मटेला, कमला देवी निवासी छौना और कमला देवी निवासी लुरीगांव-छौना सहित अन्य महिला किसानों को सम्मानित किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं को भी पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम के तहत महिला किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया। इस दौरान पॉलीहाउस में बेमौसमी सब्जियों के उत्पादन, संरक्षित खेती, मुर्गी पालन और प्राकृतिक खेती की इकाई में जीवामृत तैयार करने व उसके उपयोग की जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने इन तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने, खेती की लागत घटाने और कृषि को टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृति सिंह ने किया।

मुठभेड़ के बाद दो बदमाश गिरफ्तार, 8 तमचे बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। देर रात हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 देशी तमंचे, 8 कारतूस, 4 खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी मनोज कुमार के बाएं पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने जानकारी देकर बताया कि देर रात हथियारों की तस्करी की एक सूचना के बाद एसओजी रुद्रपुर और थाना दिनेशपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाय जा रहा है। इस दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हें रूकने का इशारा किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों मोटरसाइकिल गिराकर गन्ने के खेतों की ओर भागने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें मनोज कुमार घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की तलाशी के दौरान पुलिस को सात देशी तमंचे .315 बोर और एक तमंचा .32 बोर का मिला। इसके अलावा .315 बोर के आठ जिंदा कारतूस, चार खोखा कारतूस और एक हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। पूछताछ में हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अहम तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के बिसौली निवासी महावीर नाम के व्यक्ति से तमंचे लेकर आए थे। उनकी योजना प्रत्येक तमंचे को 5,000 रुपये में खरीदकर 8,000 में बेचने की थी। पूछताछ में रुद्रपुर के रम्पुरा निवासी बंटी कोली के संपर्क में होने की बात भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, बंटी कोली फिलहाल जेल में बंद है। अब पुलिस अवैध हथियारों की सप्लाई चैन, संभावित खरीदारों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनोज कुमार, उम्र 22 वर्ष, पुत्र राजेन्द्र कुमार और अनमोल यादव, उम्र 20 वर्ष, पुत्र सुंदर पाल के रूप में हुई है। दोनों उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के बिलासपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चंदायन के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, मनोज कुमार का पूर्व आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ ट्रांजिट कैप कोतवाली में पहले से मामला दर्ज है।

कांग्रेस के गैरसैंण घेराव की घोषणा पर भाजपा का वार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गैरसैंण में विधानसभा सत्र के दौरान घेराव करने की कांग्रेस की घोषणा पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस के प्रस्तावित घेराव को नकारात्मक राजनीति की किताब का एक और काला अध्याय करार देते हुए कहा कि विपक्ष ने अपने पांच साल सदन के बाहर घेराव और भीतर हंगामे में बर्बाद कर दिए। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत दी कि सत्र की शुरुआत घेराव और समापन हंगामे से करने के बजाय उसे जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहिए।

भट्ट ने कहा कि गैरसैंण विधानसभा सत्र राज्य की जनता की आकांक्षाओं और पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याओं को सदन में उठाने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में विपक्ष को इस अवसर का इस्तेमाल राजनीतिक प्रदर्शन के बजाय जनसमस्याओं के समाधान के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतिम सत्र में कांग्रेस को सकारात्मक रुख के साथ भागीदारी करनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान से साफ है कि गैरसैंण सत्र से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। कांग्रेस जहां घेराव के जरिए सरकार पर दबाव बनाने की तैयारी में है, वहीं भाजपा इसे विपक्ष की नकारात्मक राजनीति बताकर उसके इरादों पर सवाल उठा रही है।

भट्ट ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में विपक्ष ने सदन के भीतर जनहित के विषयों पर प्रभावी चर्चा करने के बजाय हंगामे को प्राथमिकता दी। उनके मुताबिक, सत्रों की शुरुआत घेराव और अंत हंगामे से करना लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है। 2०27 के विधानसभा चुनाव से पहले गैरसैंण सत्र को लेकर दोनों दलों के बीच बढ़ती तल्खी को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस का घेराव कार्यक्रम सरकार के खिलाफ अपने मुद्दों को धार देने की कोशिश है, जबकि भाजपा विपक्ष को विकास और जनहित के सवालों पर घेरने की रणनीति अपना रही है।

हालांकि, इस राजनीतिक टकराव के बीच असली सवाल यही है कि गैरसैंण में होने वाले अंतिम सत्र में राज्य के बेरोजगारों, पलायन, ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याओं पर कितनी गंभीर चर्चा हो पाती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के आरोप-प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन गैरसैंण की विधानसभा से प्रदेश की जनता को राजनीतिक शोर से अधिक ठोस जवाब और समाधान की अपेक्षा है।

◆भाजपा ने लगाया कांग्रेस पर नकारात्मक राजनीति का आरोप
◆महेंद्र भट्ट बोले-पांच साल सदन के बाहर घेराव, भीतर हंगामा
◆अंतिम सत्र में जनहित के मुद्दे उठाए विपक्ष न कि करें हंगामा

रामलीला महोत्सव 8वां दिवस: लक्ष्मण शक्ति एवं मेघनाद वध

हमारे संवाददाता

देहरादून। रेसकोर्स स्थित श्री गुरु नानक मैदान में आयोजित उत्तराखंड की ऐतिहासिक ‘भव्य रामलीला महोत्सव-2026’ का अष्टम दिवस ‘कामगार दिवस’ के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत की गरिमामयी उपस्थिति रही। रामलीला में रावण-अंगद संवाद, लक्ष्मण शक्ति एवं मेघनाद वध के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया।

‘कामगार दिवस’ के अवसर पर देहरादून की जीवनरेखा मानी जाने वाली ऑटो यूनियन, विक्रम यूनियन, स्कूल वैन एसोसिएशन, नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन तथा परिवहन, शिक्षा, स्वच्छता और अन्य जनसेवाओं से जुड़ी संस्थाओं के कर्मयोगियों के योगदान को सम्मान देने का संदेश दिया गया। इन संगठनों से जुड़े मेहनतकश लोग शहर की दैनिक व्यवस्था को सुचारु रखने और जनजीवन को गतिशील बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में गढ़वाली फिल्मों के सुपरस्टार एवं प्रसिद्ध लोकगायक सौरभ मठाणी ने अपने

चार लाख रुपये की धोखाधड़ी में पिता-पुत्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 4 लाख रुपये की धोखाधड़ी में पुलिस ने पिता पुत्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टीएचडीसी कालोनी निवासी उदय सिंह नकचवाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान ओमप्रकाश गुप्ता से हुई। ओमप्रकाश गुप्ता उसके पुत्रों मनोज कुमार गुप्ता व पंकज गुप्ता ने उसको ग्राम महाल ग्रांट में एक जमीन दिखायी और उसको अपनी बताते हुए उससे चार लाख रुपये एडवांस के ले लिये। लेकिन उसके बाद न तो जमीन उसके नाम करवायी और न ही उसके रुपये वापस किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

‘इग फ्री देहरादून’ जागरूकता साइकिल राइड का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। महानवमी के पावन पर्व अवसर पर साइकिलिंग क्लब का संदेश इग फ्री देहरादून जागरूकता साइकिल राइड का आयोजन किया गया।

आज यहां महानवमी के पावन पर्व के शुभ अवसर पर देहरादून साइकिलिंग क्लब द्वारा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और शहर को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक साइकिल जागरूकता राइड का सफल आयोजन किया गया। यह जागरूकता राइड सुबह 5 बजे बल्लूपुर से प्रारंभ हुई। राइडर्स बल्लूपुर से रवाना होकर पंडितवाड़ी, प्रेमनगर, नंदा की चौकी, कोटड़ा सन्तोर, फुलसैनी, आमवाला, धौलास होते हुए अपने अंतिम पड़ाव चौकी गोस्वामी ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि हमारा क्लब भविष्य में शहर के सभी प्रमुख स्कूलों और कॉलेजों तक पहुँचने की योजना बना रहा है, ताकि देहरादून को नशा मुक्त



शानदार गीतों और मनमोहक प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि पूरा रामलीला मैदान लोकसंगीत के रंग में रंग गया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि इस प्रकार के भव्य सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध परंपराओं को जीवंत रखने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं धार्मिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि समाज के निर्माण में योगदान देने वाले कामगारों, श्रमिकों और विभिन्न जनसेवी संगठनों का सम्मान करना आवश्यक है। रामलीला समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून का उद्देश्य पुरानी टिहरी की ऐतिहासिक रामलीला की गौरवशाली परंपरा को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक तकनीक

ध्वनि प्रदूषण पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत, नगर मजिस्ट्रेट से मांगी आरख्या

देहरादून (सं)। ध्वनि प्रदूषण पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत करने पर आयोग ने नगर मजिस्ट्रेट से इस सम्बन्ध में आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। मिली जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी भूपेन्द्र कुमार ने मानवाधिकार आयोग में प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि वर्तमान समय में देहरादून शहर के विभिन्न मोहल्ला एवं कॉलोनियों में फेरीवाले, ठेलीवाले (जैसे की सब्जी फल विक्रेता, कपडा विक्रेता, बर्तन विक्रेता, खाद्य सामाग्री विक्रेता आदि) द्वारा अत्यधिक तेज ध्वनि में लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा रहा है। ये लाउडस्पीकर दिनभर लगातार उच्च ध्वनि में बजते रहते हैं, जिससे आम नागरिकों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड रहा है। इससे विशेष रूप से बीमार व बुजुर्ग व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है विद्यार्थियों की पढाई एवं एकाग्रता प्रभावित हो रही है। रात्रि ड्यूटी करने वाले व्यक्तियों के आराम में बाधा उत्पन्न हो रही है। यह स्थिति ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 का स्पष्ट उल्लंघन हे तथा नागरिकों के शांतिपूर्ण जीवन जीने के अधिकार का हनन करती है। शहर में फेरीवालों द्वारा लाउडस्पीकर के अनियंत्रित उपयोग पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश जारी करने का कष्ट करें। आयोग ने नगर मस्ट्रेट को आख्या प्रस्तुत करने के लिए 18 नवम्बर की तिथि निहित की है। आयोग ने उपरोक्त आदेश की अपेक्षानुरूप कार्यवाही न किये जाने की स्थिति में आयोग द्वारा विचारोपरान्त यथोचित आदेश पारित कर दिये जाने के भी निर्देश दिये हैं।



राइड के दौरान क्लब के उपाध्यक्ष मनिंदर सिंह ने कहा हमारा यह संकल्प है कि हम युवाओं को नशे के बुरे प्रभावों से बचाएं और उनके बीच जागरूकता फैलाएं। देहरादून में कई बड़े कॉलेज और शिक्षण संस्थान हैं। हम चाहते हैं कि हर युवा नशे के दुष्परिणामों को समझे और अपनी ऊर्जा को खेल व स्वास्थ्य में लगाए, ताकि हमारा शहर पूरी तरह से ड्रग फ्री बन सके। वहीं क्लब के मार्केटिंग प्रमुख रिकी गोस्वामी ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि हमारा क्लब भविष्य में शहर के सभी प्रमुख स्कूलों और कॉलेजों तक पहुँचने की योजना बना रहा है, ताकि देहरादून को नशा मुक्त

के माध्यम से देशभर में पहुँचाना है। वर्ष 2025 में इस रामलीला को डिजिटल माध्यमों से 82 लाख से अधिक दर्शकों ने देखा। दर्शकों के इसी अपार स्नेह से प्रेरित होकर वर्ष 2026 में एक करोड़ से अधिक दर्शकों तक पहुँचने का लक्ष्य रखा गया है। कहा कि रामलीला के साथ कामगार दिवस मनाने का उद्देश्य भगवान श्रीराम के कर्म, कर्तव्य और सेवा के आदर्शों को समाज के उन मेहनतकश लोगों के सम्मान से जोड़ना है, जिनके परिश्रम से हमारा शहर निरंतर आगे बढ़ता है।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत, समिति अध्यक्ष अभिनव थापर, लोकगायक सौरभ मठाणी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला, पत्रकार राहुल कोटियाल, डॉ. राकेश भट्ट, भूपेश धवन, ऑटो यूनियन देहरादून के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा, विक्रम यूनियन देहरादून के महामंत्री संजय अरोड़ा, समाजसेवी सुशील बहुगुणा, अनुपम नागालिया एवं नई टिहरी रामलीला समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र नौडियाल सहित समिति के अन्य सदस्यों और अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

ध्वनि प्रदूषण पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत, नगर मजिस्ट्रेट से मांगी आरख्या

देहरादून (सं)। ध्वनि प्रदूषण पर मानवाधिकार आयोग में शिकायत करने पर आयोग ने नगर मजिस्ट्रेट से इस सम्बन्ध में आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। मिली जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी भूपेन्द्र कुमार ने मानवाधिकार आयोग में प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि वर्तमान समय में देहरादून शहर के विभिन्न मोहल्ला एवं कॉलोनियों में फेरीवाले, ठेलीवाले (जैसे की सब्जी फल विक्रेता, कपडा विक्रेता, बर्तन विक्रेता, खाद्य सामाग्री विक्रेता आदि) द्वारा अत्यधिक तेज ध्वनि में लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा रहा है। ये लाउडस्पीकर दिनभर लगातार उच्च ध्वनि में बजते रहते हैं, जिससे आम नागरिकों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड रहा है। इससे विशेष रूप से बीमार व बुजुर्ग व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है विद्यार्थियों की पढाई एवं एकाग्रता प्रभावित हो रही है। रात्रि ड्यूटी करने वाले व्यक्तियों के आराम में बाधा उत्पन्न हो रही है। यह स्थिति ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 का स्पष्ट उल्लंघन हे तथा नागरिकों के शांतिपूर्ण जीवन जीने के अधिकार का हनन करती है। शहर में फेरीवालों द्वारा लाउडस्पीकर के अनियंत्रित उपयोग पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश जारी करने का कष्ट करें। आयोग ने नगर मस्ट्रेट को आख्या प्रस्तुत करने के लिए 18 नवम्बर की तिथि निहित की है। आयोग ने उपरोक्त आदेश की अपेक्षानुरूप कार्यवाही न किये जाने की स्थिति में आयोग द्वारा विचारोपरान्त यथोचित आदेश पारित कर दिये जाने के भी निर्देश दिये हैं।

बनाने के हमारे इस मुख्य उद्देश्य को धरातल पर पूरा किया जा सके। राइड के सफल आयोजन पर क्लब के अध्यक्ष हरसिमरन ने उपाध्यक्ष और मार्केटिंग प्रमुख को बधाई दी और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि कल दशहरा है और बुराई पर अच्छाई की जीत का यह सबसे सही समय है। जिस प्रकार हम रावण का दहन करते हैं, उसी प्रकार हमें अपनी जीवनशैली और अपने देहरादून शहर से नशे रूपी सामाजिक बुराई को खत्म करना होगा। युवाओं को साइकिलिंग, रनिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसे सकारात्मक खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस जागरूकता साइकिल राइड में प्रणय पंत, आदर्श रावत, आर्यन चौहान, चित्रांग, मोहम्मद हारिस, आरती, सुरिंदर चौहान, जयंती प्रसाद गौड़ सहित क्लब के अनेक सदस्यों और साइकिल चालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

‘एफआर’ के खेल में दो दरोगाओं पर मुकदमा दर्ज

◆ एक पर 3.50 लाख और दूसरे पर पांच लाख मांगने का आरोप



हमारे संवाददाता हरिद्वार। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र में दर्ज आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगाने के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप में दो तत्कालीन दरोगाओं के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि एक दरोगा ने फाइनल रिपोर्ट लगाने के एवज में 3.50 लाख रुपये लिए, जबकि दोबारा विवेचना शुरू होने पर दूसरे दरोगा ने इसी काम के लिए पांच लाख रुपये मांगे। रुपये नहीं देने पर शिकायतकर्ता को गोली मारने, जेल भेजने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत मिलने के बाद एसपी देहात ने मामले की जांच की थी। जांच में दोनों पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, पांच जुलाई 2023 को सुषमा सैनी ने निश्चय राणा और नितीश राणा निवासी ग्राम निरपुड़ा, जिला बागपत के खिलाफ गंगनहर कोतवाली रुड़की में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। उस समय मामले की विवेचना तत्कालीन उपनिरीक्षक मनदीप सिंह कर रहे थे। आरोप है कि विवेचना के दौरान मनदीप सिंह ने मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगाने के नाम पर 3.50 लाख रुपये की रिश्वत ली। इसके बाद छह 2024 को मामले में फाइनल रिपोर्ट भेज दी गई।

हालांकि, बाद में इस प्रकरण की दोबारा विवेचना शुरू कर दी गई। इस बार जांच की जिम्मेदारी गंगनहर कोतवाली के तत्कालीन उपनिरीक्षक बलवंत पवार को सौंपी गई। आरोप है कि बलवंत पवार ने भी मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगाने के लिए पांच लाख रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब उसने रकम देने से इन्कार किया तो उसे गोली मारने, जेल भेजने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से मामले की शिकायत की। उसने अपने आरोपों के समर्थन में ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग भी अधिकारियों को उपलब्ध कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने एसपी देहात को जांच सौंपी। जांच के दौरान दोनों तत्कालीन उपनिरीक्षकों की भूमिका की पड़ताल की गई। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद मनदीप सिंह और बलवंत पवार के खिलाफ गंगनहर कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

रेखा आर्या केस में पति हुआ फरार, बरेली से बैरंग लौटी पुलिस

हमारे संवाददाता देहरादून। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या द्वारा पति पर दर्ज कराए गए उत्पीड़न के केस में नया मोड़ आ गया है। आरोपी गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू गिरधारी ने अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर अंडरग्राउंड हो गया है। उसे पकड़ने गई देहरादून पुलिस की टीम को बरेली से खाली हाथ लौटना पड़ा। इस पूरे मामले की जांच कर रही एसआईटी प्रभारी जया बलोनी ने बताया कि नए राज्यपाल के देहरादून आगमन और शपथ ग्रहण समारोह की व्यस्तता के चलते बीते रोज मंत्री के बयान नहीं हो पाए थे। अब सोमवार दोपहर बाद रेखा आर्या के विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे। वहीं पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज होते ही गिरधारी ने अपना फोन बंद कर दिया है। कंपनियों और वायरल वीडियो को लेकर पूछताछ के लिए टीम बरेली स्थित उसके ठिकाने पर पहुंची थी, लेकिन वह वहां नहीं मिला। अब पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर देहरादून की एससी-एसटी स्पेशल कोर्ट ने गिरधारी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। पंचम अपर सत्र न्यायाधीश अंजलि बेंजवाल ने कहा कि पत्नी के मंत्री पद का हवाला देकर गिरफ्तारी से बचने की दलील में दम नहीं है। कोर्ट में वह खुद हाजिर होने की बजाय अपने वकील के जरिए अर्जी लगवा रहा था।



शोरूम में स्कूटी ठगी करने वाला शातिर ठग गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। शोरूम से स्कूटी ठगी करने वाले शातिर ठग को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार राहुल अग्रवाल पुत्र ईश्वर चन्द अग्रवाल निवासी मिस्सरवाला, डोईवाला देहरादून द्वारा एक प्रार्थना पत्र दिया कि कुलजीत सिंह सेठी नाम के व्यक्ति द्वारा नई हीरो डेस्टनी स्कूटी खरीदने के एवज में उसके शोरूम में आकर अपने फोन में उसको फर्जी भुगतान विवरण दिखा कर धोखाधड़ी करते हुए उसके शोरूम से स्कूटी ठगी कर ले गया है, उसके प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली डोईवाला मुकदमा दर्ज किया गया। ठगी की घटना के सफल अनावरण तथा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु एसएसपी देहरादून के निर्देशों पर कोतवाली डोईवाला पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा पूर्व में ठगी की घटनाओं में प्रकाश में आये/जेल गए अभियुक्तों की अद्यतन स्थिति की जानकारी कर उनका भौतिक



सत्यापन किया गया, साथ ही स्थानीय सूचना तन्त्र को सक्रिय कर घटनास्थल व उसके आस पास लगे सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन करते हुए आरोपी के संबंध में जानकारी एकत्रित की गई। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों के दौरान पुलिस टीम द्वारा रिवर वैली कुआंवाला के पास, डोईवाला पर चैकिंग के दौरान घटना में शामिल कुलजीत सिंह सेठी पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी मोती बाजार, निकट एसबीआई बैंक, पल्टन बाजार देहरादून को घटना में ठगी गयी स्कूटी व अन्य संबंधित दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह मोती बाजार निकट एसबीआई बैंक पल्टन बाजार देहरादून में रहता है तथा नशा करने व जुआ खेलने के आदि है।

टाइगर श्रॉफ पर हमला करने वाले 3 शूटर गिरफ्तार!

संवाददाता मुंबई। टाइगर श्रॉफ पर हमला प्रकरण में बड़ा अपडेट आया है। 3 हमलावरों को कोटा में दबोचा गया है। तीनों गिरफ्तार हमलावर हरियाणा निवासी बताए जा रहे हैं। कोटा सिटी पुलिस दल ने ट्रेन से तीनों हमलावरों को पकड़ा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तीनों मुंबई से दिल्ली जा रहे थे। मुंबई पुलिस से मिली सूचना के आधार पर कोटा पुलिस ने ये कार्रवाई की है। इनमें से दो हरियाणा और एक महाराष्ट्र का रहने वाला बताया जा रहा है। अब पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर फायरिंग के पीछे की वजह और साजिश से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाएगी। बताया जा रहा है कि तीनों ट्रेन नंबर



12939 पुणे-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे। ये ट्रेन पुणे से चलकर मुंबई से होते हुए कोटा पहुंचती है और फिर जयपुर जाती है। फायरिंग के बाद तीनों संदिग्ध इसी ट्रेन से मुंबई से भागने की कोशिश कर रहे थे। ट्रेन के कोटा पहुंचने पर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। जांच के दौरान उनके राजस्थान

में छिपे होने की आशंका जताई गई, जिसके बाद राज्य के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की गई। इसी दौरान कोटा के रेलवे लाइन इलाके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि तीनों ट्रेन से सफर कर रहे थे। मुंबई पुलिस से मिली सूचना के आधार पर कोटा पुलिस ने ये कार्रवाई की। इससे पहले कोटा के रेलवे कॉलोनी इलाके से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था। बताया जा रहा था कि वो वारदात में शामिल आरोपियों के पुराने साथी हैं। अब पुलिस ने फायरिंग करने वाले तीनों शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में से दो हरियाणा और एक

महाराष्ट्र का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि तीनों मुंबई से दिल्ली की ओर जा रहे थे। इस मामले में अनिल पंडित नाम के आरोपी के साथियों का जिक्र भी सामने आया था।

18 अक्टूबर की शाम मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग हुई थी। बाइक सवार तीन लोगों ने कार पर सात राउंड गोलियां चलाई और फिर मौके से फरार हो गए थे।

अवकाश की सूचना

कल दशहरे के शुभ अवसर पर दून वैली मेल कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः पाठकों को अगला अंक 21 अक्टूबर को उपलब्ध होगा।

- व्यवस्थापक

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटेर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्रियों के लिए प्रिंटेर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।